चीनी मिलों पर 3333 करोड़ निवेश

बदलाव

नियम सरल हुए

- चार साल में चीनी मिलों की कई परियोजनाओं में निवेश
- खाण्डसारी इकाइयों से संचालन से जुड़े नियम सरल किए गए

छह मिलें आधुनिक बनी

छह चीनी मिलों सरसावा, अनूपशहर, सम्पूर्णानगर, बेलरायां, पुवायां और नानपारा में अपग्रेडेशन, डिस्टलरियों मनौता, सम्पूर्णानगर, अनूपशहर, कायमगंज, नानपारा और घोसी में जेडएलडी प्लान्ट संचालित किया गया।

राज्य मुख्यालय | विशेष संवाददाता

प्रदेश की चीनी मिलों के क्षमता विस्तार और इन मिलों में नयी परियोजनाओं के क्षमता विस्तार पर चार वर्षों में करीब 3,333 करोड़ रुपये निवेश किया गया है। गन्ना विकास, चीनी उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय आर भूसरेड्डी ने यह जानकारी दी।

अपर मुख्य सचिव ने बताया कि प्रदेश सरकार ने गन्ना किसानों के हित में चीनी मिलों के साथ-साथ गन्ना आपूर्ति के लिए वैकल्पिक साधन विकसित करने और ग्रामीण क्षेत्र में लघु-कुटीर उद्योग विकास के लिए खाण्डसारी इकाइयों से जुड़े नियम सरल किए हैं। खाण्डसारी इकाइयों के 275 नए लाइसेंस जारी किए गए। इन परियोजनाओं पर 1,161.20 करोड़ निवेश का अनुमान है।

भूसरेड्डी ने बताया कि पूर्वांचल क्षेत्र में किसानों को पुनः गन्ना खेती के लिए प्रेरित कर आर्थिक समृद्ध बनाने और उ.प्र. राज्य चीनी निगम के अधीन बंद चीनी मिलों के संचालन का निर्णय लेते हुए मुण्डेरवा और पिपराईच में 5,000 टन रोजाना पेराई क्षमता की नई चीनी मिलें और सल्फर रहित चीनी उत्पादन संयंत्र स्थापित कर संचालित किया गया। साथ ही 27 मेगावाट का गन्ने की खोई यानी बगास से बिजली बनाने का प्लान्ट लगाया गया। इन परियोजनाओं पर कुल 873.30 करोड़ रुपये निवेश किया गया।